



Anand

16 Apr 2026

04:56 PM

Delhi

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121950803

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 16/04/2026  
दिन \_\_\_\_\_: गुरुवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 16:56:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 27:32:15 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 16:34:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:00:10 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 06:13:21 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:55:06 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:47:20 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:52:15 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वसन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 02:15:39 मेष  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 08:43:06 कन्या

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मीन - गुरु  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: रेवती - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: बुध  
योग \_\_\_\_\_: वैधृति  
करण \_\_\_\_\_: शकुनि  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: गज  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: विप्र  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: सर्प  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: जल  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: दे-देवांशु  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मेष



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 8 मास 28 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
16/04/2026	13/01/2041	13/01/2048	13/01/2068	13/01/2074
13/01/2041	13/01/2048	13/01/2068	13/01/2074	13/01/2084
बुध 11/06/2026	केतु 11/06/2041	शुक्र 15/05/2051	सूर्य 02/05/2068	चंद्र 13/11/2074
केतु 08/06/2027	शुक्र 11/08/2042	सूर्य 14/05/2052	चंद्र 01/11/2068	मंगल 14/06/2075
शुक्र 08/04/2030	सूर्य 17/12/2042	चंद्र 13/01/2054	मंगल 08/03/2069	राहु 13/12/2076
सूर्य 13/02/2031	चंद्र 18/07/2043	मंगल 15/03/2055	राहु 31/01/2070	गुरु 14/04/2078
चंद्र 14/07/2032	मंगल 14/12/2043	राहु 15/03/2058	गुरु 19/11/2070	शनि 14/11/2079
मंगल 11/07/2033	राहु 31/12/2044	गुरु 13/11/2060	शनि 01/11/2071	बुध 14/04/2081
राहु 29/01/2036	गुरु 07/12/2045	शनि 13/01/2064	बुध 07/09/2072	केतु 13/11/2081
गुरु 06/05/2038	शनि 16/01/2047	बुध 13/11/2066	केतु 13/01/2073	शुक्र 15/07/2083
शनि 13/01/2041	बुध 13/01/2048	केतु 13/01/2068	शुक्र 13/01/2074	सूर्य 13/01/2084

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
13/01/2084	13/01/2091	14/01/2109	14/01/2125	14/01/2144
13/01/2091	14/01/2109	14/01/2125	14/01/2144	00/00/0000
मंगल 11/06/2084	राहु 25/09/2093	गुरु 04/03/2111	शनि 17/01/2128	बुध 17/04/2146
राहु 29/06/2085	गुरु 19/02/2096	शनि 14/09/2113	बुध 27/09/2130	00/00/0000
गुरु 05/06/2086	शनि 26/12/2098	बुध 21/12/2115	केतु 05/11/2131	00/00/0000
शनि 15/07/2087	बुध 15/07/2101	केतु 26/11/2116	शुक्र 05/01/2135	00/00/0000
बुध 11/07/2088	केतु 03/08/2102	शुक्र 28/07/2119	सूर्य 18/12/2135	00/00/0000
केतु 07/12/2088	शुक्र 03/08/2105	सूर्य 15/05/2120	चंद्र 18/07/2137	00/00/0000
शुक्र 06/02/2090	सूर्य 27/06/2106	चंद्र 14/09/2121	मंगल 27/08/2138	00/00/0000
सूर्य 14/06/2090	चंद्र 27/12/2107	मंगल 21/08/2122	राहु 03/07/2141	00/00/0000
चंद्र 13/01/2091	मंगल 14/01/2109	राहु 14/01/2125	गुरु 14/01/2144	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 8 मा 20 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पत्ति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं हैं। बल्कि आपकी अभिरुचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगे। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत हैं। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपने मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकते हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगे। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपने स्पन्दित आदतों को त्याग सकते हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेते हैं और कार्य के पीछे पड़ जाते हैं। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्य है।

आप बुद्धिमान स्तर के प्राणी हैं। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करते हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करते हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृत्ति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकते हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकते हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके के द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप की प्यारी पत्नी भगवान की देन प्रमाणित होगी। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जो अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आप अपनी वासनात्मक प्रवृत्ति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगे।

आप निःसंदेह दीर्घायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगे। परन्तु आप अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंख्री, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।